भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1828

जिसका उत्तर दिनांक 21.09.2020 को दिया जाना है

न्यूट्रिनो वेधशाला

1828. श्री दिलीप शइकीया :
श्री रमेश चन्द्र कौशिक :
श्री वाई. देवेन्द्रप्पा :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का देश में न्यूट्रिनो वेधशाला स्थापित करने का कोई प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त प्रयोजनार्थ चिह्नित किए गए स्थानों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) देश में स्थापित की गई भू-वेधशालाओं की राज्य-वार संख्या कितनी है ?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) जी, हां ।

(ख) भारत में स्थित न्यूट्रिनो वेधशाला (आईएनओ) पृथ्वी के वायुमंडल में उत्पन्न न्यूट्रिनो का अवलोकन करेगी । इस अवलोकन से न्यूट्रिनो कणों के गुणधर्मों के बारे में अधिक जानकारी मिलेगी जिसका मुख्य स्रोत सूर्य और पृथ्वी का वायुमंडल है । न्यूट्रिनो संसूचक मेग्नेटाइज्ड आयरन केलोरीमीटर होगा जो किसी देश द्वारा बनाया सबसे भारी संसूचक होगा । वेधशाला के लिए चिह्नित स्थान थेनी जिला, तमिलनाडु में स्थित बोदी पश्चिमी पहाडियां हैं ।

(ग) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार, वेधशालाओं की संख्या राज्य-वार निम्नलिखित हैं :

(i) कर्नाटक - छह खगोलीय वेधशालाएं

(ii) उत्तराखंड - खगोल एवं खगोल भौतिकी अध्ययन एवं वायुमंडलीय अध्ययनों के लिए चार वेधशालाएं ।

...2

(iii) भारतीय भूचुम्बकत्व संस्थान (आईआईजी) जो पूरे देश में विशेष उद्देश्य के लिए स्थित 12 चुंबकीय वेधशालाओं का प्रचालन करता है, वे निम्नलिखित हैं :

क) आंध्र प्रदेश - एक

ख) तमिलनाडु - एक

ग) असम - एक

घ) मेघालय - एक

ङ) गुजरात - एक

च) महाराष्ट्र - एक

छ) राजस्थान - एक

ज) जम्मू और कश्मीर - एक

झ) उत्तर प्रदेश - एक

ञ) अंडमान और निकोबार द्वीप (संघ राज्य-क्षेत्र) - एक

ट) पुडुचेरी (संघ राज्य-क्षेत्र) - एक

* * * * *